CULTURAL EXCHANGE PROGRAMME

UNDER

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

CELEBRATING AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

2022-23

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES & TRAINING
IN COLLABORATION WITH
HARYANA SCHOOL SHIKSHA PARIYOJNA PARISHAD, PANCHKULA

CULTURAL EXCHANGE PROGRAMME
UNDER EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

BACKGROUND:

Azadi Ka Amrit Mahotsav (AKAM) is an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of progressive Independent India. Through Azadi Ka Amrit Mahotsav, India is celebrating the glorious history of its people, culture, and achievements. Our Hon'ble Prime Minister Says***, 'The Azadi Ka Amrit Mahotsav means elixir of energy of independence; elixir of inspirations of the warriors of freedom struggle; elixir of new ideas and pledges; and elixir of Aatmanirbharta. Therefore, this Mahotsav is a festival of awakening of the nation; festival of fulfilling the dream of good governance; and the festival of global peace and development'.***

As per Ek Bharat Shrestha Bharat Matrix pair, the partner state of Haryana is Telangana. In this context, CCRT in collaboration with Haryana School Shiksha Pariyojna Parishad, Panchkula organized a five-day Cultural Exchange Programme under "Ek Bharat Shrestha Bharat" celebrating Azadi ka Amrit Mahotsav for the year 2022-23 from June 22 to 26, 2022 at CCRT Regional Centre, Hyderabad. The programme had a total of 65 participants including 32 students and 33 teachers

RATIONALE:

To develop an understanding and appreciation of diversity, culture, traditions, history, Craft, Music, Dance, food and knowledge of different parts of India amongst participants under 'Ek Bharat Shrestha Bharat'.

OBJECTIVES:

Objectives of the Cultural Exchange Programme under AKAM-EBSB for the students and teachers of Haryana are given as under:

1. To provide an opportunity to the participants of Haryana state to interact with the culture of Telangana.
2. To create an awareness about and appreciation for the Art, Culture and Language of Telangana through Folk Art forms, Music, Dance and Theatre and provide an opportunity to interact with local Folk artistes and learn about the various local practices.
3. To expose the students to Telugu alphabet, proverbs, sentences as well as short stories.
4. To carry out educational visits to ***Salarjung Museum, Golconda Fort and Shilparamam*** to provide the students practical education about the history and culture of the region.

OUTCOME:

Encourage Linguistic Skills, National Integration, Spirit of Patriotism and Unity, Communication skills, Appreciation of diversity, Sense of common identity, creative skills, artistic skills among the participants.

BRIEF REPORT:

22nd June, 2022 - Day 1

On the first day of the programme, an interactive session was held by Prof. P Subbachary who explained the "Telugu Alphabets" in comparison to Hindi ones, as well as sentences and proverbs in Telugu language to encourage the teachers to learn the regional language of Telugu. There was also a session on the "Art Forms of Telangana" by folk dance expert Dr. Linga Srinivas & his team. The participants also took a "Swachhta Pledge."

23rd June, 2022- Day 2

The workshop started with singing of Prayer song and Telangana state song by the Haryana teachers. The first session was on "Learning Alphabet & Proverbs with Certain Sentences and Identification and Dissemination Of Proverbs, Short Stories In Local Languages" – by Prof. P.

Subbachary. The session explored sentence formations and identification of 'Telugu acchulu and hallulu.' The second session was on "Learning Of Folk Songs In Telugu Language" by Dr. T.K.L. Sujatha. She had taught the song – "Bashalanni vereyna," "Yeti gaali saaguthondi."
After lunch break, the afternoon session was taken by Ms. Maheshwari on "Crafts– Applique Art And Cheriyal Painting" by Shri. Madhu. Camp fire was arranged in the evening at 7pm, with dance & music of local folk artistes.

24th June, 2022- Day 3

The first session was on "Learning of Folk Dances of Telangana" by expert Shri Ganesh. This was followed by an Educational Visit to Shilparamam which gave the participants an insight into the local culture, handicrafts & handlooms of Telangana.

25th June, 2022- Day 4

A full day cultural visit was organized for the participants to Salarjung Museum and Qutubshahi Tombs. An education visit was also organized in the evening to Golconda Fort which was followed by Light and Sound Show.

26th June, 2022- Day 5

A Lecture Demonstration was conducted on “Folk Theatre of Telangana State” by Dr. Laxmi Sarada Surabhi. This was followed by a session on the “Learning of Folk Songs in Telugu Language” by Dr.T.K.L. Sujatha & Dr. P. Saroja.

Siddhi Samaroh -Valedictory Ceremony

Welcome Address and Workshop Brief of the Cultural Exchange Programme was given by Smt. Soundarya Kaushik. This was followed by a feedback session with the participants where 3 children and 4 teachers shared their overwhelming positive response on the workshop organized by CCRT. Consultant (CCRT, Regional Centre, Hyderabad) Shri Y. Chandrasekhar presented the

Valedictory Address to the participants and Certificate distribution was done for all 32 children and 33 teachers. The programme was concluded with a Vote of Thanks presented by Training Associate Smt. Soundarya Kaushik.

NEWS COVERAGE:

राज्य के 37 बच्चों और 35 अध्यापकों ने देखी तेलंगाना की संस्कृति

विद्यार्थियों ने जानी तेलंगाना की संस्कृति

कुरुक्षेत्र। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत संस्कृति आदान-प्रदान कार्यक्रम हुआ। इसमें राज्य के विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अध्यापकों और विद्यार्थियों को हरियाणा के साझेदार राज्य तेलंगाना की संस्कृति को जानने का अवसर मिला।

संस्कृति आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत किया तेलंगाना का भ्रमण

इस कार्यक्रम में जिले के 11 प्रतिभागी शिक्षक स्वाति पुनिया, गुंजन शर्मा, दिशा ग्रोवर, विद्यार्थी जयंत, अजय पांचाल, प्रयागराज, यशस्विनी, साकेत, सिमरन व सिमरनजीत कौर ने हिस्सा लिया। इन्होंने तेलंगाना की संस्कृति को जाना और अपनी संस्कृति से भी रूबरू कराया। इस दल की अगुवाई सतबीर कौशिक ने की।

कौशिक ने बताया इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों के बौद्धिक और मानसिक विकास में वृद्धि होती है। देश को जानने का अवसर प्राप्त होता है कि हमारे देश में अनेकता में एकता है। विभिन्न भाषाओं तथा खानपान के अलग-अलग होते हुए भी हमारा देश एक ही है। यह बहुत ही सराहनीय है।

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम का भाग बने राजकीय उच्च विद्यालय सुदकैन खुर्द के राहुल का विद्यालय पहुंचने पर स्वागत

हरियाणा के विद्यार्थियों ने कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य का भ्रमण किया

हरियाणा के विद्यार्थियों ने कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य का भ्रमण किया कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के 11 प्रतिभागियों को अवसर प्राप्त हुआ

VVNEWS वैशवारी

हरियाणा के विद्यार्थियों ने कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य का भ्रमण किया

हरियाणा संपादक – वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक।
दूरभाष – 9416191877

कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के 11 प्रतिभागियों को अवसर प्राप्त हुआ।

कुरुक्षेत्र, 29 जून : संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत हरियाणा के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों का कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम आयोजित किया गया। जिसके तहत हरियाणा के विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को हरियाणा के पार्टनर स्टेट तेलंगाना में वहां की संस्कृति को जानने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम का राज्य नोडल ऑफिसर सतवीर कौशिक को बनाया गया था। इस कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के 11 प्रतिभागियों को अवसर प्राप्त हुआ। जिसमें टीचर स्वाति पुनिया पीजीटी कॉमर्स राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुर्तजा पुर, गुंजन शर्मा म्यूजिक टीचर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय थानेसर, दिशा ग्रोवर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ज्योतिसर, विद्यार्थियों में जयंत, अजय पांचाल व प्रयागराज राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र, यशस्विनी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अमीन, साकेत, सिमरन व सिमरनजीत कौर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मुर्तजा पुर शामिल रहे। इन अध्यापकों तथा विद्यार्थियों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ। तेलंगाना राज्य में जाकर इन विद्यार्थियों ने तेलंगाना की संस्कृति को जाना और अपनी संस्कृति से रूबरू करवाया। इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों एवं अध्यापकों में बड़ी खुशी का माहौल देखा गया। हरियाणा से कुल बेहतर प्रतिभागियों का दल सतवीर कौशिक के नेतृत्व में गया था। इस कार्यक्रम की राज्य कोऑर्डिनेटर सोनाली ने सभी विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के लिए सुचारू व्यवस्था की थी। जिसमें बच्चों को एसी ट्रेन में सफर करवाया गया। सतबीर कौशिक ने बताया इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों के बौद्धिक और मानसिक विकास में वृद्धि होती है और देश को जानने का अवसर प्राप्त होता है कि हमारे देश में अनेकता में एकता का जो नारा है। वह क्यों कहा गया है। विभिन्न भाषाओं तथा खानपान के अलग-अलग होते हुए भी हमारा देश एक है। इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षा विभाग के द्वारा करवाए जाते रहते हैं। जोकि बहुत ही सराहनीय कदम है।
तेलंगाना राज्य का भ्रमण करने वाले हरियाणा के विद्यार्थी एवं टीचर।

हरियाणा के विद्यार्थियों ने कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य का किया भ्रमण

विद्यार्थियों ने कल्चरल एक्सचेंज कार्यक्रम में तेलंगाना का भ्रमण किया

विद्यार्थियों ने जानी तेलंगाना की संस्कृति

संस्कृति आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत किया तेलंगाना का भ्रमण

FEEDBACK FROM PARTICIPANTS:

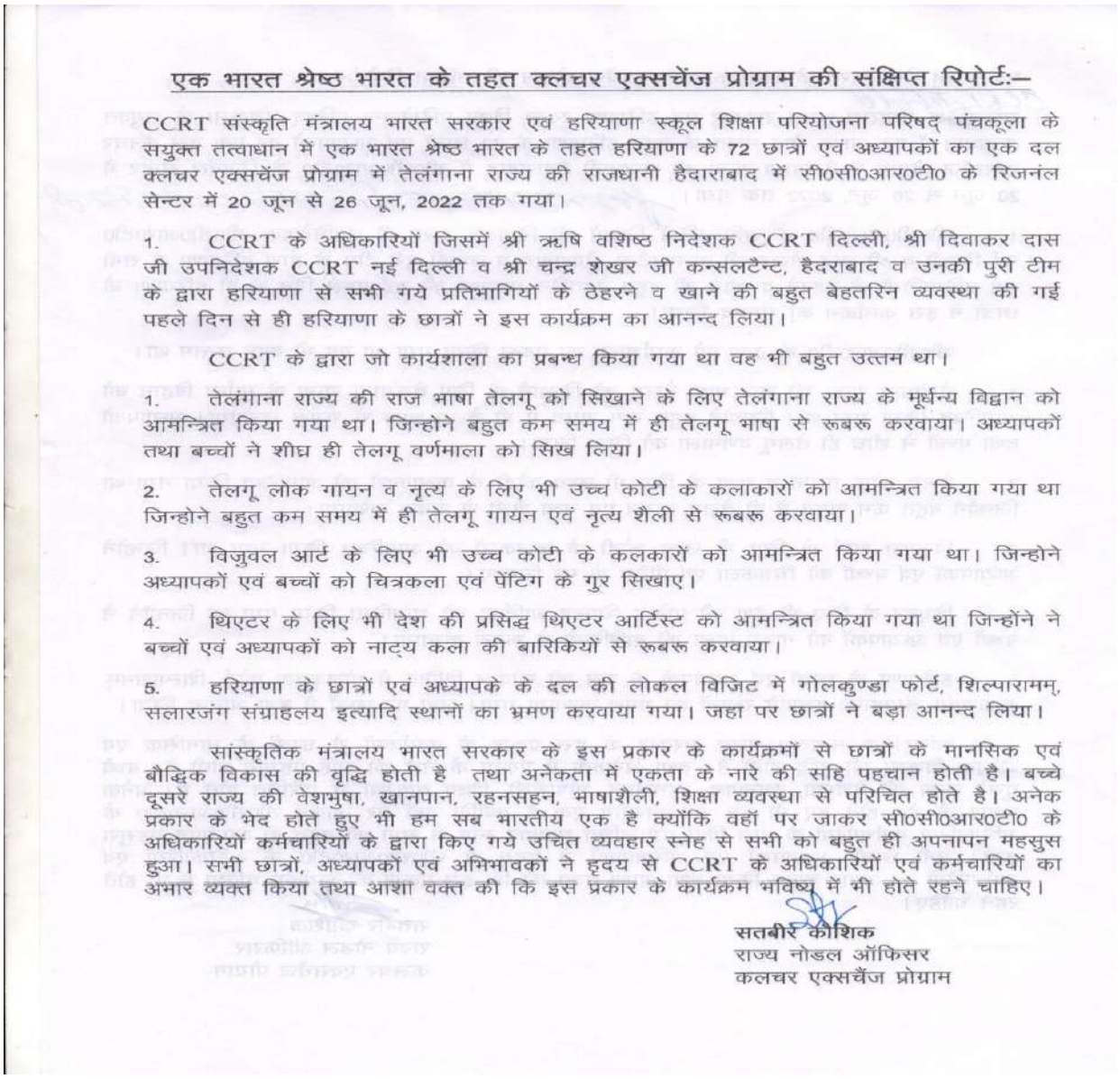

एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत क्लचर एक्सचेंज प्रोग्राम की संक्षिप्त रिपोर्टः—

CCRT संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् पंचकूला के सयुक्त तत्वाधान में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत हरियाणा के 72 छात्रों एवं अध्यापकों का एक दल क्लचर एक्सचेंज प्रोग्राम में तेलंगाना राज्य की राजधानी हैदराबाद में सी0सी0आर0टी0 के रिजनंल सेन्टर में 20 जून से 26 जून, 2022 तक गया।

1. CCRT के अधिकारियों जिसमें श्री ऋषि वशिष्ठ निदेशक CCRT दिल्ली, श्री दिवाकर दास जी उपनिदेशक CCRT नई दिल्ली व श्री चन्द्र शेखर जी कन्सलटैन्ट, हैदराबाद व उनकी पुरी टीम के द्वारा हरियाणा से सभी गये प्रतिभागियों के ठेहरने व खाने की बहुत बेहतरिन व्यवस्था की गई पहले दिन से ही हरियाणा के छात्रों ने इस कार्यक्रम का आनन्द लिया।

CCRT के द्वारा जो कार्यशाला का प्रबन्ध किया गया था वह भी बहुत उत्तम था।

1. तेलंगाना राज्य की राज भाषा तेलगू को सिखाने के लिए तेलंगाना राज्य के मूर्धन्य विद्वान को आमन्त्रित किया गया था। जिन्होने बहुत कम समय में ही तेलगू भाषा से रूबरू करवाया। अध्यापकों तथा बच्चों ने शीघ्र ही तेलगू वर्णमाला को सिख लिया।

2. तेलगू लोक गायन व नृत्य के लिए भी उच्च कोटी के कलाकारों को आमन्त्रित किया गया था जिन्होने बहुत कम समय में ही तेलगू गायन एवं नृत्य शैली से रूबरू करवाया।

3. विज़ुवल आर्ट के लिए भी उच्च कोटी के कलकारों को आमन्त्रित किया गया था। जिन्होने अध्यापकों एवं बच्चों को चित्रकला एवं पेंटिग के गुर सिखाए।

4. थिएटर के लिए भी देश की प्रसिद्ध थिएटर आर्टिस्ट को आमन्त्रित किया गया था जिन्होंने ने बच्चों एवं अध्यापकों को नाट्य कला की बारिकियों से रूबरू करवाया।

5. हरियाणा के छात्रों एवं अध्यापके के दल की लोकल विजिट में गोलकुण्डा फोर्ट, शिल्पारामम्, सलारजंग संग्राहलय इत्यादि स्थानों का भ्रमण करवाया गया। जहा पर छात्रों ने बड़ा आनन्द लिया।

सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार के इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्रों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास की वृद्धि होती है तथा अनेकता में एकता के नारे की सहि पहचान होती है। बच्चे दूसरे राज्य की वेशभुषा, खानपान, रहनसहन, भाषाशैली, शिक्षा व्यवस्था से परिचित होते है। अनेक प्रकार के भेद होते हुए भी हम सब भारतीय एक है क्योंकि वहाँ पर जाकर सी0सी0आर0टी0 के अधिकारियों कर्मचारियों के द्वारा किए गये उचित व्यवहार स्नेह से सभी को बहुत ही अपनापन महसुस हुआ। सभी छात्रों, अध्यापकों एवं अभिभावकों ने हृदय से CCRT के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अभार व्यक्त किया तथा आशा वक्त की कि इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी होते रहने चाहिए।

सतबीर कौशिक
राज्य नोडल ऑफिसर
कलचर एक्सचैंज प्रोग्राम